## संपादकीय

# नई दुनिया की हकीकत

जी-20 उस दौर में बना था, जब अमेरिका दुनिया में एकमात्र ध्रुव था और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को अपने हितों के मुताबिक संचालित करने में वह सक्षम था। अब बात बदल चुकी है।

नई दिल्ली में गुजरे हफ्ते हुई कूटनीतिक घटनाओं ने यह साफ कर दिया कि गुजरे दौर में बने मंच अप्रासंगिक हो रहे हैं। जबकि नए दौर में बने मंचों का प्रभाव बढ़ रहा है। सिर्फ विदेश मंत्रियों की जी-20 और क्वाड की बैठकों पर गौर करें, तो यह जाहिर हो जाता है। जी-20 के मंच पर कोई सार्थक बातचीत नहीं हो पाई। उलटे यह पश्चिमी देशों और रूस-चीन के लिए एक दूसरे को खरी-खोटी सुनाने का मौका बन कर रह गया। जबकि क्वाड्रैंगुलर सिक्युरिटी डायलॉग (क्वाड) के विदेश मंत्रियों की बैठक में विचारों और मकसद की समानता नजर आई और यह बात उनकी तरफ से जारी साझा बयान में भी झलकी। इस अंतर का कारण यह है कि जी-20 उस दौर में बना था, जब अमेरिका दुनिया में एकमात्र ध्रुव था और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को अपने हितों के मुताबिक संचालित करने में वह सक्षम था। जी-20 अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मिल-जुल कर चलाने लिए बनाया गया था। इस अर्थव्यवस्था का स्वरूप पश्चिम प्रेरित भूमंडलीकरण था।

वह दौर अब गुजर चुका है। आर्थिक से लेकर कूटनीतिक गुटबंदी तक में अब दुनिया दो भागों में बंट रही है। क्वाड इस बंटती दुनिया में बना मंच है, जिसकी रणनीतिक दिशा स्पष्ट है। यही बात ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे समूहों पर भी लागू होती है। भारत की मुश्किल यह है कि वह इन दोनों ध्रुवों पर अपनी प्रभावशाली भूमिका चाहता है। चूंकि दोनों गुट भारत की अहमियत को समझते हैं, इसलिए अब तक भारत की यह रणनीति कारगर रही है। लेकिन यह भूमिका खरहे के साथ दौड़ने और शिकारी कुत्ते के साथ मिल कर शिकार करने जैसी है, जिसकी एक सीमा होती है। जी-20 की मेजबानी करते हुए भारतीय अधिकारियों को जरूर इस बात का अहसास हुआ होगा। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस अपील का कोई असर नहीं हुआ कि मौजूद देश असहमति को भूल कर सहमति के बिंदुओं पर आगे बढ़ें। बल्कि इस दौरान उनकी इस बात की पुष्टि ही हुई कि विश्व संचालन की पुरानी संस्थाएं नाकाम हो गई हैं। तो अब यह भारत को तय करना है कि वह दीर्घकालिक लिहाज से किन नई उभर रहीं मंचों के साथ जुड़ेगा।

# बाजार में भारी उठापटक के बावजूद शेयरों में म्युचुअल फंड निवेश 1.5 लाख करोड़ के पार

**नईदिल्ली।** चालू वित्त वर्ष के दौरान शेयर बाजार में तमाम उठापटक और बाधाओं के बावजूद शेयर बाजार पर देसी म्युचुअल फंडों का भरोसा बना हुआ है। वित्त वर्ष 2023 में म्युचुअल फंडों ने शेयरों में 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा शुद्ध निवेश किया है। यह लगातार दूसरा साल है, जब इतना अधिक निवेश हुआ है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2023 में 1 मार्च तक म्युचुअल फंडों ने शेयरों में 1.53 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है, जबकि वित्त वर्ष 2022 में 1.72 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया था। वित्त वर्ष 2015 से अभी तक केवल वित्त वर्ष 2021 को छोडक़र (2021 में 1.21 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की गई थी) म्युचुअल फंड शेयरों के शुद्ध लिवाल रहे। आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 2023 तक पिछले 9 वित्त वर्ष में म्युचुअल फंडों ने देसी शेयर बाजार में 6.90 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है।

मिरे ऐसेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स (इंडिया) के मुख्य कार्याधिकारी और निदेशक स्वरूप मोहंती मानते हैं कि भारत में मजबूत आर्थिक वृद्धि देखकर म्युचुअल फंडों का शेयर बाजार में भरोसा बढ़ा है और उनके निवेश में तेजी आई है। मोहंती ने कहा, 'मजबूत आर्थिक पैमानों के अलावा शेयरों में लगातार निवेश बढऩे के पीछे खुदरा निवेशकों के व्यवहार में बदलाव भी अहम है, जो पिछले कई वर्षों से सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये म्युचुअल फंडों में लगातार निवेश कर रहे हैं। इसने देसी शेयर बाजार का ढांचा बदल दिया है। इससे हर बार गिरावट के दौरान बाजार को म्युचुअल फंडों के निवेश से थोड़ी राहत मिलती है।'

दूसरी ओर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने चालू वित्त वर्ष में जमकर बिकवाली की है और शेयर बाजार से अभी तक 36,538 करोड़ रुपये निकाल लिए हैं। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2022 में उन्होंने 1.42 लाख करोड़ रुपये की निकासी की थी।

तुलनात्मक आधार पर देखें तो बाजार में भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद पिछले दो वित्त वर्ष (मार्च 2021 से) में म्युचुअल फंडों ने देसी शेयर बाजार में 3.25 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है, जबकि विदेशी निवेशकों ने इस दौरान 1.78 लाख करोड़ रुपये निकाले हैं। इसकी वजह से चालू वित्त वर्ष में बीएसई सेंसेक्स 2.12 फीसदी बढ़ा है, जबकि बीएसई मिडकैप में 2 फीसदी की तेजी आई है। स्मॉलकैप सूचकांक 2.3 फीसदी गिरा है।

ऐसे में सवाल उठता है कि वित्त वर्ष 2024 में शेयर बाजार का रुख कैसा रहेगा। क्या बाजार में म्युचुअल फंडों का निवेश बरकरार रहेगा? विदेशी निवेश की क्या स्थिति रहेगी?

मोहंती मानते हैं कि वित्त वर्ष 2024 थोड़ा अलग रह सकता है। अगले वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था की वृद्धि की रफ्तार थोड़ी नरम पड़ सकती है, जिसका असर शेयर बाजार में निवेश पर भी दिख सकता है।

उन्होंने कहा, 'पिछले दो साल में शेयर बाजार में निवेश शुरू करने वाले निवेशकों को लाभ नहीं हुआ है। आंकड़ों से पता चलता है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था भी ज्यादा मजबूत नहीं है। निवेशक इसे ध्यान में रखते हुए शेयर बाजार में निवेश कम कर सकते हैं।'

बीएनपी पारिबा में भारत में इक्विटी शोध प्रमुख कुणाल वोरा ने कहा, 'घरेलू बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की हिस्सेदारी दशक में सबसे कम है। चीन के बाजार खुलने और भारत में शेयरों का मूल्यांकन ज्यादा होने से विदेशी निवेशक 2023 में भी बिकवाली जारी रख सकते हैं।'

# अबुधाबी टी10 लीग का सातवां सत्र 28 नवंबर से

**अबुधाबी।** अबुधाबी टी10 लीग का सातवां सत्र यहां 28 नवंबर से नौ दिसंबर के बीच शेख जायेद स्टेडियम पर खेला जायेगा । पिछले साल डेक्कन ग्लैडिएटर्स ने लगातार दूसरी बार खिताब जीता था । अबुधाबी क्रिकेट एंड स्पोटर्स हब के सीईओ मैट बाउचर ने यहां जारी एक बयान में कहा , पिछले सत्र में बेहतरीन खिलाडिय़ों ने भाग लिया और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के लिये यह काफी रोमांचक टूर्नामेंट रहा । हम आगे भी विश्व क्रिकेट को शानदार क्रिकेट की सौगात देते रहेंगे । टी10 लीग के अध्यक्ष शाजी उल मुल्क ने कहा , पिछले साल अबुधाबी टी10 क्रिकेट और मनोरंजन का अच्छा मिश्रण हा । इसमें अमेरिका की दो नयी टीमों ने भाग लिया और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कोच और खिलाड़ी इसका हिस्सा रहे । अगला सत्र भी ऐसा ही शानदार रहने की उम्मीद है ।

# बल्लेबाजों के लिए दुस्वप्न साबित हुई बीजीटी, फॉर्म में लौटेंगे कोहली : पोंटिंग

**दुबई।** आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी बल्लेबाजों के लिये दुस्वप्न साबित हुई है और इसमें प्रदर्शन के आधार पर वह विराट कोहली के फॉर्म का आकलन नहीं करेंगे । पिछली 14 पारियों में अर्धशतक नहीं बना सके कोहली ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टेस्ट में 111 रन ही बनाये हैं लेकिन पोंटिंग इससे चिंतित नहीं हैं । उन्होंने कहा, मैं इस श्रृंखला में किसी बल्लेबाज के फॉर्म को नहीं देख रहा हूं क्योंकि बल्लेबाजों के लिये यह श्रृंखला किसी बुरे सपने की तरह रही है ।

उन्होंने कहा , जहां तक विराट की बात है तो मैं बार बार कहता आया हूं कि चैम्पियन खिलाड़ी हमेशा रास्ता निकाल लेते हैं । ऐसा लग रहा होगा कि इस समय वह खराब फॉर्म में है और रन नहीं बना रहा क्योंकि हम सभी उससे रनों की अपेक्षा करते हैं ।

उन्होंने कहा , वह यथार्थवादी भी है । बल्लेबाज को खुद पता होता है कि कब उसका फॉर्म खराब है और उससे रन नहीं बन रहे ।

# गोल्डमैन सैक्स ने 6 सालों में पहली बार एप्पल के स्टॉक पर दी पॉजिटिव सलाह

**नईदिल्ली।** ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने छह साल में पहली बार एप्पल के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। कंपनी के शेयर वैल्यू में हुए इजाफे के बाद गोल्डमैन ने एप्पल को लेकर अपना रुख बदला है। एप्पल के शेयरों की वैल्यू चार गुने से अधिक हुई है। एनालिस्ट माइकल एनजी ने इसकी कवरेज शुरू कर दी है। गोल्डमैन के मुताबिक आईफ़ोन बनाने वाली कंपनी का यूजर बेस इतना बड़ा हो चुका है कि इसके सर्विस बिजनेस की ग्रोथ शानदार होगी।

एप्पल के शेयर अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज पर 6 मार्च को 1.85 फीसदी के उछाल के साथ 153.83 डॉलर (12591.35 रुपये) के भाव (एप्पल शेयर प्राइस) पर बंद हुआ है।

छह साल में माइकल गोल्डमैन के तीसरे एनालिस्ट हैं जो एपल को कवर कर रहे हैं। माइकल के मुताबिक प्रीमियर हार्डवेयर डिजाइन में एप्पल की सफलता ने इसके ब्रांड लॉयल्टी को मजबूत किया है जिस कारण से कंपनी का यूजर बेस बढ़ा है। इसके चलते कंपनी को अपने इकोसिस्टम को छोडक़र जाने वाले यूजर्स की संख्या को घटाने और क्लाइंट जोडऩे में खर्च घटाने में मदद मिली है।

वहीं कस्टमर्स को फिर से खरीदारी के लिए बढ़ावा मिला है। एप्पल में निवेश के लिए 199 डॉलर का टारगेट प्राइस फिक्स किया है। यह इसके मौजूदा भाव 153.83 अमेरिकी डॉलर से करीब 29 फीसदी अपसाइड है। इस साल 2023 में अब तक यह 23 फीसदी मजबूत हुआ है। इस महीने में यह चार फीसदी से अधिक उछला है।

माइकल से पहले गोल्डमैन के एनालिस्ट रॉड हॉल ने पांच साल तक एपल की कवरेज की थी, उन्होंने या तो इसे न्यूट्रल या सेल रेटिंग दी थी। अब माइकल ने इसे खरीदने की रेटिंग दी है। गोल्डमैन ने इससे पहले एपल को खरीदने की रेटिंग वर्ष 2017 में दी थी और तब से अब तक यह 300 फीसदी से अधिक चढ़ चुका है।

# सेरो लगाएगी 100 व्हीकल स्क्रैपिंग सेंटर, अर्थव्यवस्था को हरा-भरा बनाने में मिलेगी मदद

**नईदिल्ली।** महिंद्रा समूह और सरकार के स्वामित्व वाली एमएसटीसी के बीच 50:50 की हिस्सेदारी वाला संयुक्त उद्यम सेरो वर्ष 2025 तक भारत में कम से कम 100 वाहन स्क्रैपिंग केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहा है। सेरो के निदेशक सुमित इस्सर ने यह जानकारी दी है।

इस्सर ने निर्धारित राशि का खुलासा किए बिना कहा कि इन केंद्रों की स्थापना करने के लिए कंपनी को 'भारी निवेश' की जरूरत होगी। वर्तमान में भारत में वाहन स्क्रैपिंग के कुल 13 से 15 पंजीकृत केंद्र हैं, जिनमें से नौ सेरो के हैं।

पिछले महीने अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि प्रदूषण फैलाने वाले पुराने वाहनों को बदलना भारतीय अर्थव्यवस्था को हरा-भरा बनाने का महत्वपूर्ण हिस्सा है और केंद्र सरकार के पुराने वाहनों को स्क्रैप करने के लिए पर्याप्त धनराशि का आवंटन किया गया है। उन्होंने कहा कि पुराने वाहनों और एंबुलेंसों को बदलने में राज्य सरकारों की भी मदद की जाएगी।

हर साल बेची जाने वाली लगभग 40 लाख नई कारों में से सरकार लगभग 10 से 15 प्रतिशत कारें खरीदती है। इस्सर ने कहा 'बाकी करीब 35 लाख कारें खुदरा बाजार में बेची जाती हैं। इसलिए खुदरा क्षेत्र को बड़े स्तर पर भागीदारी करनी होगी।'

उन्होंने कहा कि 15 साल से ज्यादा पुराने सभी वाहनों, सरकारी और आम दोनों को एक-समान रूप से स्क्रैप किया जाना चाहिए। उन्हें केवल पंजीकृत (संबंधित राज्य सरकारों द्वारा स्वीकृत) स्क्रैपिंग केंद्रों के जरिये ही स्क्रैप करने की अनुमति दी जानी चाहिए। फिलहाल भारत में 99 प्रतिशत कार स्क्रैपिंग का काम असंगठित क्षेत्र द्वारा किया जाता है।

इस्सर ने कहा 'आज देश भर में हमारे पास नौ संयंत्र हैं – नोएडा, पुणे, चेन्नई, अहमदाबाद, इंदौर, बेंगलूरु, गुवाहाटी, हैदाराबाद और चंडीगढ़। हम 36 शहरों में सेवा दे सकते हैं, जो इन नौ संयंत्रों के आस-पास 300 से 400 किलोमीटर के दायरे में हों।'

उन्होंने कहा कि भारत के सभी बड़े शहरों को दायरे में लेने के लिए कम से कम 200 केंद्र होने चाहिए। इस्सर, महिंद्रा एक्सेलो के प्रबंध निदेशक भी हैं। वर्ष 2017 में भारत में 15 साल से ज्यादा पुराने वाहनों की संख्या 2.8 करोड़ थी। अगले पांच साल में यह संख्या 4.6 करोड़ तक पहुंचने के आसार हैं।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 तक हमारे (महिंद्रा एक्सेलो) और एमएसटीसी के बीच हमारे पास देश भर में 100 से 150 केंद्र होंगे। हमने तय किया है कि हमारी हर बड़े शहर में मौजूदगी होगी।

# मैथ्यूज के ऑलराउंड खेल से मुंबई की आरसीबी पर आसान जीत

**मुंबई।** हेली मैथ्यूज के ऑलराउंड खेल और नैट साइवर ब्रंट की आकर्षक पारी की मदद से मुंबई इंडियंस ने सोमवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को 34 गेंद शेष रहते हुए नौ विकेट से करारी शिकस्त देकर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टी20 टूर्नामेंट में अपना धमाकेदार प्रदर्शन जारी रखा।

अपने पहले मैच में गुजरात जायंट्स को 143 रन से हराने वाले मुंबई के सामने 156 रन का लक्ष्य था और उसने 14.2 ओवर में एक विकेट पर 159 रन बनाकर इसे बौना साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

मैथ्यूज ने 38 गेंदों पर 13 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 77 रन बनाए जबकि साइवर ब्रंट ने 29 गेंदों पर नाबाद 55 रन की पारी खेली जिसमें नौ चौके और एक छक्का शामिल है। इन दोनों ने केवल 54 गेंदों पर 114 रन की अटूट साझेदारी की।

इससे पहले आरसीबी के अधिकतर बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की लेकिन उनमें से कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल पाया और उसकी पूरी टीम 18.4 ओवर में 155 रन पर आउट हो गई। आरसीबी अगर चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंच पाया तो उसका श्रेय निचले क्रम के बल्लेबाजों रिचा घोष (28), कनिका आहूजा (22), श्रेयंका पाटिल (23) और मेगान शट (20) को जाता है।

मुंबई की तरफ से ऑफ स्पिनर मैथ्यूज ने 26 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्हें सैका इशाक (26 रन देकर दो) और अमेलिया केर ( 30 रन देकर दो) का अच्छा साथ मिला।

मुंबई में शुरू से आक्रामक रवैया अपनाया। मैथ्यूज के साथ यास्तिका भाटिया ( 19 गेंदों पर 23 रन) ने भी कुछ करारे शॉट जमाए और पहले विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी की।

प्रीति बोस ने यास्तिका को पगबाधा आउट किया लेकिन इसका मैथ्यूज पर कोई असर नहीं पड़ा जिन्होंने मेगान शट पर लगातार दो चौके जमाए और फिर 26 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। साइवर ब्रंट ने श्रेयंका का स्वागत तीन चौकों से किया।

श्रेयंका जब अपना दूसरा ओवर करने आई तो इन दोनों ने उसमें 20 रन बटोरे। साइवर ब्रंट ने एलिस पैरी पर लगातार दो चौके जमा कर अपना अर्धशतक पूरा करने के साथ ही टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

## आज का राशिफल

***मेष :*** आज कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। यदि आप नौकरी में परिवर्तन की तलाश में हैं तो आपको आज कोई अवसर मिल सकता है। धन निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा। प्रबंधन क्षेत्र के छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगें।

***वृष :*** इस अवधि में नियोजित कार्य बहुत अधिक परिणाम नहीं दिखाएगा, किन्तु परिणाम जो भी हों, सकारात्मक होंगें। आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए दिन शुभ है। कोर्ट के बाहर मुकदमे का निपटारा होगा।

***मिथुन :*** आप अपनी नौकरी में बदलाव की उम्मीद कर सकते हैं। विदेश यात्रा भी संभव है। आप अपनी संभावनाओं के उत्थान की आशा भी कर सकते हैं क्योंकि आप अपनी वर्तमान नौकरी से अधिक पसंदीदा स्थान पर स्थानांतरित हो सकते हैं।

***कर्क :*** व्यवसायियों को नए रुझान और रास्ते मिलेंगे जो उनकी नकदी में वृद्धि करेंगें। आज आपकी वित्तीय स्थिति बहुत मजबूत होगी। आपके द्वारा की गई बचत, आपके परिवार के लिए लाभकारी साबित होगी बुजुर्ग अपने बच्चों को सफलता प्राप्त करते हुए देख खुश होंगे।

***सिंह :*** आज का दिन आपके लिए कुछ परेशानी लिए हो सकता है। काम के दौरान आप वैचारिक मतभेदों को लेकर अपने सहयोगियों के साथ संघर्ष में आ सकते हैं।

***कन्या :*** आज आप अपने अधीनस्थ अथवा सहयोगी को संवेदनशील मुद्दों को समझाने में मदद कर सकतें हैं। व्यापारी वर्ग ग्राहकों की पसंद में दिलचस्पी लेंगे और आसानी से आर्थिक लाभ अर्जित कर पाएंगे।

***तुला :*** आज आपका आर्थिक पक्ष अस्थिर हो सकता है। आपके आलोचक और शत्रु आपके लिए समस्याएं पैदा करेंगे किन्तु आप कूटनीति के प्रयोग से उन्हें चुप करा सकते हैं। आपका दैनिक कार्यक्रम व्यस्त रहेगा।

***वृश्चिक :*** आज खुद के लिए जोखिम लेने की क्षमताओं पर अंकुश लगाना बेहतर होगा। यदि आपने पहले से भी जोखिम उठाए हैं तो उन्हें उपयुक्त रूप से पुरस्कृत किया जाएगा। निवेश समझदारी से करें अन्यथा आर्थिक पक्ष अस्थिर हो सकता है।

***धनु :*** आज आप प्रेम संबंधों में लिप्त जातक अपने साथी के साथ भावनात्मक परिवेश में एक नया समीकरण विकसित कर पाएंगे। आज व्यावसायिक और व्यापारी सभी गतिविधियों में काफी प्रगति होने की संभावना है।

***मकर :*** आज व्यापारिक सन्दर्भ में विलय हो सकतें हैं। कठिन समय है, कार्य स्थल पर बार-बार परिवर्तन आपको भ्रमित कर सकता है। प्रेम संबंधों के लिए यह एक अच्छा समय है। बुजुर्ग अपनी संस्कृति, जीवन शैली और तीर्थयात्रा के प्रति अधिक रुचिवान होंगें।

***कुंभ :*** आज आप व्यापारिक एवं व्यावसायिक सन्दर्भ में महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। आप अपने प्रयासों से चौतरफा सफलता प्राप्त करेंगे और आपकी शक्तियां बढ़ेंगी। यदि आप एक जीवनसाथी की खोज कर रहे हैं, तो यह समय अच्छा है।

***मीन :*** आज का दिन आपके लिए शानदार साबित होगा। कठिन समय के बाद आखिरकार आप अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ सुकून देख सकेंगे। आप अपनी कड़ी मेहनत और श्रम के लिए इनाम की उम्मीद कर सकते हैं।

# जान्हवी कपूर ने किया अपने तेलुगू डेब्यू का ऐलान

### 0 फिल्म एनटीआर30 से फर्स्ट लुक जारी

जान्हवी कपूर अपने 26वां जन्मदिन की खास मौके पर तेलुगू डेब्यू का ऐलान किया है। वह जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म एनटीआर 30 में नजर आएंगी। जान्हवी ने फिल्म से अपना फर्स्ट लुक भी साझा किया है। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा की है, जिसके कैप्शन में जान्हवी ने लिखा, यह आखिरकार हो रहा है। मेरे पसंदीदा जूनियर एनटीआर के साथ यात्रा शुरू करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।

इस फिल्म का निर्देशन दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक कोराताला शिवा कर रहे हैं। वह पिछले 6 महीने से इसके लिए अभिनेत्री की तलाश कर रहे थे और कई नामों पर विचार करने के बाद उन्होंने जान्हवी को साइन किया। यह फिल्म तेलुगु के साथ तमिल, मलयालम और हिंदी समेत कई भाषाओं में रिलीज होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 23 फरवरी से फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है और फिल्म 2024 में दर्शकों के बीच आएगी।

जाह्नवी कपूर ने एक बार अपने इंटरव्यू में जूनियर एनटीआर के साथ काम करने की अपनी ख्वाहिश का जिक्र किया था, तभी से ये चर्चा थी कि एक्ट्रेस जल्द ही साउथ सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं.

# राम गोपाल वर्मा ने हिंदी फिल्म उद्योग में क्रांति ला दी है: मनोज बाजपेयी

हाल ही में रिलीज हुई स्ट्रीमिंग फिल्म गुलमोहर की सराहना कर रहे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी अपने सत्या के निर्देशक राम गोपाल वर्मा का काफी सम्मान करते हैं। एक्टर ने कहा कि हिंदी फिल्म उद्योग में आरजीवी के प्रवेश ने इसकी गतिशीलता को बदल दिया है और हिंदी फिल्म उद्योग में फिल्में कैसे बनाई जाती हैं।

पोडकास्ट में रणवीर अल्लाहबदिया से बात करते हुए मनोज ने कहा, राम गोपाल वर्मा ने सत्या, कंपनी, शिवा या सरकार जैसी फिल्में बनायी। उन्होंने कई निर्देशक, एक्टर्स और टेक्नीशियन की एक पूरी पीढ़ी दी, उन्होंने हिंदी सिनेमा में क्रांति ला दी। ऐसा काम केवल वही कर सकता है जो ठोकर खाकर फिर से खड़ा हो गया हो।

# ऐसे बनाएं टेस्टी पीनट बटर का फ्रेंच टोस्ट

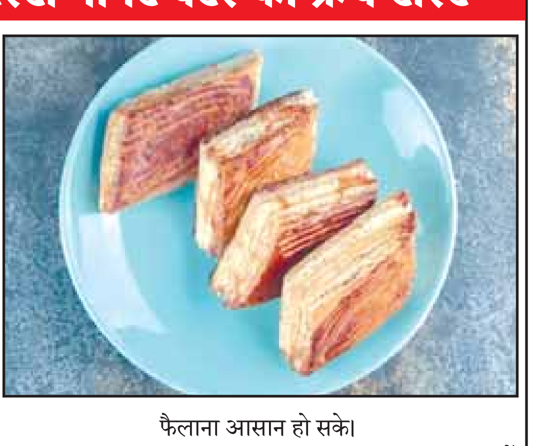

जल्दी और आसानी से बनने वाली ये रेसिपी स्वाद में तो भरपूर है ही, लेकिन सेहत के मामले में भी आपको निराश नहीं करेगा।

### सामग्री :

- -ब्रेड के 4 स्लाइस
- -2 अंडे
- -1/4 कप दूध
- -1 छोटा चम्मच वनीला एक्सट्रेक्ट
- -1/2 छोटा चम्मच दालचीनी
- -2 बड़े चम्मच मूंगफली का मक्खन
- -2 बड़े चम्मच मक्खन

### विधि :

1. सबसे पहले एक बाउल में अंडे, दूध, वनिला एसेंस और दालचीनी को फेंट लें।
2. ब्रेड के प्रत्येक स्लाइस के एक तरफ पीनट बटर समान रूप से फैलाएं। अगर पीनट बटर काफी गाढ़ा है, तो आप इसे कुछ सेकंड के लिए माइक्रोवेव कर सकते हैं ताकि इसे फैलाना आसान हो सके।
3. मध्यम आंच पर एक कड़ाही गरम करें और उसमें मक्खन डालें। एक बार मक्खन पिघलने के बाद, ब्रेड के प्रत्येक स्लाइस को अंडे के मिश्रण में डुबोएं, ध्यान दें की ब्रेड के हर तरफ समान रूप से कोटिंग हुई हो।
4. ब्रेड स्लाइस को तवे पर रखें और दोनों तरफ से सुनहरा भूरा होने तक पकाएं, लगभग 2-3 मिनट तक एक साइड को पकाएं।
5. फ्रेंच टोस्ट को कड़ाही से निकालें और मेपल सिरप, ताजा बेरीज या केले के स्लाइस के साथ परोसें।

# शब्द सामर्थ्य- 363

**बाएं से दाएं**
1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

**ऊपर से नीचे**
1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 2 | ■ | 3 | | 4 | ■ | 5 |
| | ■ | 6 | | | ■ | 7 | | |
| 8 | | 9 | ■ | 10 | 11 | | ■ | |
| ■ | | ■ | ■ | ■ | | ■ | ■ | ■ |
| 12 | | 13 | ■ | 14 | | 15 | | 16 |
| | ■ | 17 | | ■ | ■ | 18 | | |
| 19 | 20 | | ■ | 21 | 22 | | ■ | |
| ■ | | ■ | ■ | ■ | | ■ | 23 | |
| 24 | | | ■ | 25 | | | ■ | |

**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 362 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अं | त | ■ | म | री | ज | ■ | ■ | ■ |
| ग | ह | न | ता | ■ | ब | र | ब | स |
| ■ | की | ■ | धि | क्का | र | ■ | र | मा |
| ■ | का | ■ | का | ■ | द | वा | खा | ना |
| प | त | वा | र | ■ | स्त | र | ■ | ■ |
| ह | ■ | ■ | ■ | ■ | ■ | दा | मि | नी |
| ना | ■ | ए | ह | ति | या | त | ■ | लां |
| वा | च | क | ■ | हा | ■ | ■ | खू | ब |
| ■ | ■ | ता | ब | ड़ | तो | ड़ | ■ | र |

# सू-दोकू- 363

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 9 | | | 2 | | | | 1 |
| | | 5 | 1 | | | | 3 | |
| 7 | | | | 9 | | 8 | | 5 |
| | 8 | | 3 | | 7 | | 5 | |
| 2 | | 7 | | | | 1 | | 3 |
| | 4 | | | 1 | | | 8 | |
| 6 | | 2 | | | 9 | | | |
| | 5 | | 7 | | | 3 | | |
| | | 8 | | 5 | | | 6 | 7 |

**नियम**
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.362 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 8 | 2 | 6 | 3 | 1 | 4 | 5 | 9 |
| 6 | 4 | 1 | 8 | 5 | 9 | 2 | 7 | 3 |
| 9 | 3 | 5 | 4 | 7 | 2 | | 1 | 8 |
| 2 | 6 | 3 | 1 | 9 | 7 | 5 | 8 | 4 |
| 5 | 7 | 8 | 3 | 6 | 4 | 1 | 9 | 2 |
| 1 | 9 | 4 | 5 | 2 | 8 | 7 | 3 | 6 |
| 4 | 5 | 7 | 2 | 8 | 3 | 9 | 6 | 1 |
| 3 | 1 | 6 | 9 | 4 | 5 | 8 | 2 | 7 |
| 8 | 2 | 9 | 7 | 1 | 6 | 3 | 4 | 5 |